दि.09.01.2020
बैंगलोर

प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य श्री पार्श्वचन्द्र जी महाराज साहेब का जन्म दिवस मनाया

जयगच्छीय जैन संत डॉ. श्री पदमचंद्र जी महाराज साहेब की सुशिष्याएँ समणी निर्देशिका जैन समणी डॉ. श्री सुयशनिधि आदि ठाणा 4 के पावन सान्निध्य में श्री श्वे. स्था. जयमल जैन श्रावक संघ के तत्वाधान में जे.पी.पी. जैन समणी सेन्टर के प्रांगण में जयगच्छाधिपति बारहवें पट्टधर आचार्य प्रवर श्री पार्श्वचन्द्र जी महाराज साहेब का 71 वां जन्म दिवस चमत्कारी जय जाप के जाप अनुष्ठान द्वारा मनाया गया। जाप के पश्चात् समणीवृन्द ने गुरु भक्ति के साथ–साथ जन्म दिवस की शुभकामनाएं देते हुए एक भजन प्रस्तुत किया। उपस्थित सभी महानुभावों को सम्बोधित करते हुए डॉ. समणी सुयशनिधि ने कहा कि आचार्य श्री का जीवन एक पारस की तरह ही है जो पामर प्राणियों को पावन बना देते हैं। आचार्य पार्श्वचन्द्र जी महाराज 7 वर्ष की अल्पायु में अपने सांसारिक दादीजी जयगच्छीय महासती जी श्री पन्नाकंवर जी महाराज साहेब की प्रेरणा से गुरु चरणों में आये और 11 वर्ष की अल्पायु में दीक्षा अंगीकार कर जयगच्छीय स्वामीवर्य श्री चांदमल जी महाराज के शिष्य कहलाये। उन्होंने भारती विद्या भवन मुंबई से संस्कृत प्राकृत आदि विभिन्न भाषाओं का एवं शास्त्रीय तक का अध्ययन किया। आचार्य पार्श्वचन्द्र जी महाराज साधनाशील हैं एवं उनकी कंठकला बहुत ही लाजवाब है। तपस्या की उत्कृष्टता ऐसी कि हर दीपावली, चातुर्मास प्रवेश, नववर्ष पर अट्ठम तप एवं 27–27 दिन तक आयम्बिल निवी उपवास की तपस्या में मौन के साथ कठोर साधना करना, वास्तव में जन–जन के लिए एक प्रेरणा है। अमिता नाहर ने आचार्य भगवन का उपकार मानते हुए अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। शांता धोका ने जन्म दिन का भजन प्रस्तुत किया। रवींद्र चौरडिया ने गुरुदेव का आभार व्यक्त किया। संघ के अध्यक्ष मीठालाल मकाणा ने आचार्य की महिमा मंडित करते हुए अपने उद्‌गार व्यक्त किये। जन्म दिवस के उपलक्ष्य में सभी ने त्याग, व्रत, प्रत्याख्यान अंगीकार करते हुए गुरु भक्ति का परिचय दिया। प्रभावना के लाभार्थी अमरचंद कनकराज चौरडिया रहे। उक्त जानकारी संघ के मंत्री कनकराज चौरडिया ने दी।